M.A. II nd sem. Travel & Tourism in India

भारतीय पर्यटन

पर्यटन का विकास

स्वतंत्रता से पूर्व भारत में पर्यटन :- अतिप्राचीन काल से ही मानव में यात्रा एवं भ्रमण की भावना रही है। प्राचीन काल में यात्रा का प्राथमिक उद्देश्य भोजन की खोज हेतु भ्रमण करना था। बाद में फल एवं शिकार की खोज में स्थानांतरण करने की आवश्यकता महसूस हुई। बाद में रहने तथा विश्राम हेतु प्राकृतिक रूप से सुरक्षित ऐसे स्थलों को खोजना होता था जहाँ पर जंगली जानवरो से सुरक्षित रहा जा सके। समूह को रहने के लिए यात्रा एवं भ्रमण प्रारम्भ किया गया दूसरे क्षेत्रों में जाने पर वस्तुओं के आदान-प्रदान की क्रिया प्रारम्भ हुई जिसने बाद में व्यापार का रूप ले लिया तथा लोग व्यापार के उद्देश्य से भ्रमण पर निकलने लगे। ये यात्राएं बाद में धर्म प्रचार के लिए की गई।

प्राचीन समय में नई जानकारी प्राप्त हेतु ज्ञानार्जन हेतु यात्रा की गई इसके अतिरिक्त व्यापार एवं व्यवसायों के लिए भी यात्राएं हुई। अति प्राचीन काल में यात्रा एवं भ्रमण का उद्देश्य आनंद एवं मनोरंजन का नही था

लेकिन रोमन साम्राज्य काल में इस तरह की यात्राएं प्रारम्भ हुई।

नए द्वीपो की खोज अर्थात ईसा से 1200 शताब्दी के बाद का काल नए द्वीपो की खोज का अर्थात पुर्नजागरण काल कहा जाता है, इस दौरान महासागरीय यात्राएं हुई जिनमें कोलम्बस तथा वास्कोडिगामा की यात्राएं विशेष महत्व रखती है धर्म प्रचार के लिए भी यात्राएं हुई। 20 वीं शताब्दी के प्रारम्भ होने तक आधुनिक काल की सभी प्रमुख विशेषताएं भ्रमण के रूप में होने लगी थी इस सदी में मनोरंजन यात्राओ का विस्तार हुआ लेकिन प्रथम विश्व युद्ध के कारण इन को धक्का लगा। प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात पर्यटन को पहले जैसी स्थिति प्राप्त हो गई इससे पूर्व बीसवीं शताब्दी में यूरोप में वार्षिक छुट्टियों को प्रारम्भ किया गया जो एक ऐसी घटना बनी जिसने व्यक्तियों को यात्रा करने के लिए अवसर एवं समय प्रदान किया और इसी के कारण पर्यटन का असाधारण विकास हुआ इस तरह से पर्यटन प्राचीन काल से ही मनुष्य धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक कार्यो से अपने गाँव, नगर, देहात एवं सांस्कृतिक कार्यो से अपने गाँव नगर देहात एवं देश से बाहर जाते रहे जो बाद मे पर्यटन के रूप में विकसित हुआ।

★ स्वतंत्रोत्तर भारत मे पर्यटन —:

विश्व में भारत पर्यटन की दृष्टि से अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है यहाँ पर पर्यावरण सम्बन्धी मनमोहक सम्पदा सुन्दरता तथा सांस्कृतिक परम्पराओ की बहुत ही विवि[धता] है। यहाँ पर विभिन्न धर्म तथा धार्मिक स्थल भी पर्यटको को आकर्षि[त] करते है इसके अतिरिक्त मोहनजोदड़ो और हड़प्पा के अवशेष महाराष्ट्र में अजन्ता एलोरा और एलिफैन्टा की गुफाएं तथा कुतुबमिनार, लाल किला, ताज महल, अजमेर शरीफ, बौधगया, इत्यादि भ[ी] पर्यटन के लिए आकर्षण का प्रमुख केन्द्र है, इलाहाबाद का संगम गंगोत्री यमुनोत्री तथा अन्य बड़े-बड़े मन्दिर और धार्मिक स्थल भी पर्यटन की दृष्टि से आकर्षण का केन्द्र हैं इस प्रकार से अपने प्राचीन वैभव और सम्पदा से भारत प्राचीन काल से ह[ी] फाह्यान ह्वेनसांग तथा वास्कोडिगामा आ[दि] से लेकर स्वतंत्रता से पूर्व विशेषक[र] अंग्रेजो, पुर्तगालियो और फ्रांसीसियो को अपनी ओर आकर्षित करता है

M.A.IInd sem.स्वतंत्रता के पश्चात् भारत में पर्यटन

① स्वतंत्रता के पश्चात पर्यटन विकास की नीति —:

स्वतंत्रता के पश्चात भारत में पर्यटन उद्योग के विकास के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं लेकिन 1980 तक पर्यटन विकास हेतु कोई नीतिगत कदम नहीं उठाया गया। सर्वप्रथम छठीं पंचवर्षीय योजना (1980-85) से भारत में पर्यटन विकास के लिए सार्वजनिक तौर पर नीति का विकास किया गया इसके अन्तर्गत प्रमुख लक्ष्य निम्न थे।

(a) भ्रमण के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सदभाव को बढ़ाना।

(b) पर्यटन के विकास के माध्यम से विश्व की विचारधारा एवं जीवन का तरीका एवं विकास की तकनीक का ज्ञान करना। प्राचीन सम्पदा एवं संस्कृति को बनाए रखना तथा नष्ट होने से बचाने और समृद्ध बनाने के लिए प्रचार-प्रसार करना।

(c) पर्यटन से समुदाय के लिए आर्थिक एवं सामाजिक लाभ प्राप्त करना।

(d) पर्यटन के विकास से राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय एकीकरण की विचारधाराओं को बढ़ावा में विकसित करना।

(e) पर्यटन से ना केवल रोजगार सृजन करना बल्कि मेलों तथा दंगों इत्यादि में राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण करना।

भारत में पर्यटन का वर्तमान परिदृश्य —:

प्राकृतिक सांस्कृतिक तथा धार्मिक विरासत के कारण भारत में स्वतंत्रता के बाद पर्यटन के क्षेत्र में बहुत वृद्धि की है वर्तमान में पर्यटन एक उद्योग का रूप ले चुका है पहले पर्यटन को मौज का एक माध्यम समझा जाता था पर्यटन उद्योग के साथ-साथ एक ऐसी शक्ति के रूप में सामने आ रहा है जो विश्व के सांस्कृतिक एकीकरण में मील का पत्थर साबित होगा। पर्यटन के महत्व को देखते हुए सरकार ने 1952 में पर्यटन हेतु कार्यालय न्यूयार्क 1957 में फ्रांकफर्ट में दूसरा पर्यटन कार्यालय खोला जो Tourism traffic branch के स्थान पर परिवहन एवं संचार मंत्रालय के अधीन पर्यटन विभाग की स्थापना की गई 1963 में सरकार ने एक समीति का गठन किया इस समीति ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सुझाव दिए 1965 में बस की सिफारिश को लागू करने हेतू एक उच्च अधिकार सम्पन्न समीति की स्थापना की गई